IIM Raipur to host 6th BRICS Development & Governance Conference

Indian Institute of Management (IIM) Raipur concludes its 6th International Conference on Development and Governance in the BRICS on March 8th, 2024. The conference served as a platform for intellectual discourse, knowledge sharing, and innovative solutions to address governance challenges faced by the BRICS nations. With a focus on sustainable development, digitization, and ethical leadership, the event brought together academics, public and private sector leaders, and visionaries to engage in profound dialogues to promote prosperity, inclusivity, and sustainability in the BRICS nations. The conference reflects IIM Raipur's ongoing commitment to advancing academic excellence and contributing to the development of future leaders.

The second day witnessed a panel discussion that revolved around the theme of "Governance in the Times of Global Turmoil," moderated by Prof. Suresh Babu, IIT Madras. During the panel discussion, Shri Himanshu Shekhar Mishra, Senior Editor at NDTV India, emphasized the pressing need for coordinated global action on climate change. Providing alarming statistics, his insights stressed the crucial role of collaborations within BRICS to tackle climate-induced challenges effectively. Prof. N R Bhanumurthy, Vice-Chancellor of BASE University, Bangalore, emphasized India's savings leadership and highlighted the New Development Bank's role in addressing post-COVID challenges, advocating for global collaboration and knowledge-sharing.

Prof. C P G Tapscott, University of the Western Cape, South Africa, emphasized the need for BRICS to reform financial institutions for a new global order, acknowledging its evolving structure with new members. He underscored the importance of staying relevant and connected with existing members. Prof. Alexey G Barabashev, National Research University, Russia, focusing on resource concentration, discussed Russia's financial sanctions and advocated for promoting tourism within the BRICS framework. Prof. V.C. Vivekanandan, Vice-Chancellor at HNLU, provided insights on various dimensions and their relevance to the broader themes discussed in the context of BRICS.

Ms. Arti Ahuja, Secretary to Govt. of India, Labour & Employment, delivered a keynote address on innovation in the BRICS public sector, focusing on social protection and security. She discussed India's social protection coverage, citing various welfare schemes and the challenges, such as privacy concerns with Aadhar.

The final panel discussion themed "Governance and Entrepreneurship" followed, with Dr. M R Madhavan, President and co-founder of PRS Legislative Research, emphasized the rise of entrepreneurship in the service sector post-91 reforms, while Dr. Pushpinder Puniha (IRS retd.), Financial Advisor to BCCI highlighted the importance of learning from others and community participation in enhancing welfare indices.

Dr. Ashish Desai, Advisor, Open Network for Digital Commerce- a Govt. of India Initiative, discussed entrepreneurship, particularly the challenges faced by entrepreneurs and the need for collaborative innovation and support, especially for women entrepreneurs. He emphasized the importance of access to financial and market resources. Prof. Prem Singh (IAS retd.), IIM Raipur, a retired IAS officer, discussed

the relationship between the government and entrepreneurs, stressing the need for mutual respect and support, considering entrepreneurs as soldiers contributing to society's welfare.

The panel discussion followed a distinguished award ceremony, providing the Best Paper Award. In addition, participation certificates were bestowed upon all attendees, symbolizing the commitment to fostering academic collaboration. The conference, marked by intellectual vigor and insightful discussions, was summarized eloquently by Prof. Satyasiba Das, Dean External at IIM Raipur. Prof. Ms. Pooja Beria, a prominent member of the Board of Governors at IIM Raipur, expressed gratitude to all participants, speakers, and organizers for their invaluable contributions. In her vote of thanks, Ms. Beria highlighted the collaborative spirit that defined the conference, underscoring the institute's dedication to promoting academic excellence and fostering a vibrant scholarly community. The event's success was attributed to the collective efforts of everyone involved, marking it as a memorable and impactful occasion for IIM Raipur.

About IIM Raipur:

Established in 2010, IIM Raipur is a hub for nurturing dynamic leaders, equipping them with the knowledge, experience, and invaluable contacts needed to excel in their respective fields of business. Our institution draws strength from over 50 accomplished academicians across various business domains and over 700 of the brightest minds in the country. In 2023, IIM Raipur proudly achieved significant rankings, including 11th in the MHRD-NIRF Business Ranking, securing the top spot in the CSR-GHRDC B-school Ranking, and ranking 8th in the Outlook-ICARE list. We are one of the fastest-growing IIMs in the nation. Nestled in the vibrant heart of Chhattisgarh, Naya Raipur, our new, state-of-the-art campus seamlessly blends modern architecture with Chhattisgarh's rich culture and heritage, creating a unique and inspiring learning environment.

भा. प्र. सं. रायपुर छटा ब्रिक्स विकास और शासन सम्मेलन आयोजित करेगा

भारतीय प्रबंध संस्थान (भा. प्र. सं.) रायपुर ने 8 मार्च 2024 को ब्रिक्स में विकास और शासन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन ने विचारशील चर्चा, ज्ञान साझा करने और ब्रिक्स देशों द्वारा सामना कि जाने वाली शासनिक चुनौतियों का समाधान निकालने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया। परिस्थितिकी संज्ञान, डिजिटलीकरण, और नैतिक नेतृत्व पर ध्यान केंद्रित करते हुए, इस आयोजन ने शैक्षिक, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के नेताओं, दर्शकों को एकत्रित किया जिसमें ब्रिक्स देशों में समृद्धि, समावेशीता, और संवेदनशीलता को बढ़ावा देने के लिए गहरे संवाद किया गए। यह सम्मेलन भा. प्र. सं. रायपुर की निरंतर शैक्षिक उत्कृष्टता को आगे बढ़ाने और भविष्य के नेताओं के विकास में योगदान करने का एक प्रतीक है।

दूसरे दिन एक पैनल चर्चा का आयोजन हुआ जो "वैश्विक अशांति के समय में शासन" विषय पर थी, जिसके मोडरेटर प्रोफेसर सुरेश बाबू, भा. प्रो. सं. मद्रास थे। पैनल चर्चा के दौरान, श्री हिमांशु शेखर मिश्रा,एनडीटीवी इंडिया के वरिष्ठ संपादक, ने जलवायु परिवर्तन पर समन्वित वैश्विक कार्रवाई की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर जोर दिया। चिंताजनक सांख्यिकी प्रदान करते हुए, उनके दृष्टिकोण ने ब्रिक्स के भीतर गर्मी-से-प्रेरित चुनौतियों को प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। प्रोफेसर एन आर भानुमुर्थी, बेस विश्वविद्यालय, बैंगलोर के उपाध्यक्ष, ने भारत की बचत नेतृत्व को बलिष्ठ किया और पोस्ट-कोविड चुनौतियों का समाधान करने के लिए न्यू डेवलपमेंट बैंक की भूमिका को हाइलाइट किया, वैश्विक सहयोग और ज्ञान साझाकरण की प्रस्तावना की।

उत्तर प्रदेश में रहने वाले वरिष्ठ प्रोफेसर, डॉ. सी पी जी टैपस्कॉट, युनिवर्सिटी ऑफ द वेस्टर्न केप, दक्षिण अफ्रीका, ने ब्रिक्स को एक नए वैश्विक क्रम के लिए वित्तीय संस्थाओं का सुधार करने की आवश्यकता पर बल दिया, जिसने नए सदस्यों के साथ उसकी विकसित संरचना को स्वीकार किया। उन्होंने मौजूदा सदस्यों के साथ संबंध बनाए रखने और महत्व को जताया। प्रोफेसर अलेक्सी जी बाराबाशेव, नेशनल रिसर्च यूनिवर्सिटी, रूस, ने संसाधन समरूपता पर ध्यान केंद्रित करते हुए, रूस की वित्तीय प्रतिबंधों पर चर्चा की और ब्रिक्स ढांचे में पर्यटन को बढ़ावा देने की प्रशंसा की। प्रोफेसर वी.सी. विवेकानंदन, एचएनएलयू के उपाध्यक्ष, ने ब्रिक्स के संदर्भ में चर्चित विभिन्न पहलुओं और उनके महत्व पर अवलोकन प्रदान किया।

भारत सरकार की श्रम और रोजगार सचिव, श्रीमती आरती अहुजा, ने ब्रिक्स सार्वजनिक क्षेत्र में नवाचार पर मुख्य वक्तव्य दिया, सामाजिक संरक्षण और सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने भारत की सामाजिक संरक्षण कवरेज पर चर्चा की, विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का उदाहरण देते हुए और चुनौतियों के बारे में चर्चा की, जैसे कि आधार के साथ गोपनीयता संबंधी चिंताएं।

अंतिम पैनल चर्चा "शासन और उद्यमिता" के विषय में आयोजित हुई, जिसमें डॉ. एम आर माधवन, पीआरएस विधायिका अनुसंधान के राष्ट्रपति और सह संस्थापक, 91 के सुधारों के बाद सेवा क्षेत्र में उद्यमिता के उत्थान पर जोर दिया, जबकि डॉ. पुष्पिंदर पुनिहा (आईआरएस पुनः नियुक्त), बीसीसीआई के वित्तीय सलाहकार ने अन्यों से सीखने और कल्याण सूचकांकों को बढ़ाने में समुदाय की भागीदारी की महत्वपूर्णता पर जोर दिया।

डॉ. आशीष देसाई, सलाहकार, डिजिटल वाणिज्य के लिए ओपन नेटवर्क - भारत सरकार की एक पहल, उद्यमिता पर चर्चा की, विशेष रूप से उद्यमियों के सामने आने वाली चुनौतियों और सहकारी नवाचार और समर्थन की आवश्यकता पर। उन्होंने खासकर महिला उद्यमियों के लिए सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने वित्तीय और बाजारी संसाधनों के पहुंच की महत्वता पर भी ध्यान केंद्रित किया। प्रोफेसर प्रेम सिंह (आईएएस पुनः नियुक्त), भा. प्र. सं. रायपुर, एक सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी, सरकार और उद्यमियों के बीच के संबंध पर चर्चा की, उद्यमियों को समाज के कल्याण में योगदान करने वाले सैनिकों के रूप में देखते हुए समर्थन की आवश्यकता पर जोर दिया।

पैनल चर्चा के बाद एक विशिष्ट पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया, जिसमें सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्रदान किया गया। साथ ही, सभी उपस्थित लोगों को भागीदारी प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, जो शैक्षिक सहयोग को बढ़ाने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। सम्मेलन, जिसे बौद्धिक ऊर्जा और दृढ़ चर्चाओं से चिह्नित किया गया था, को प्रोफेसर सत्यसिब दास, भा. प्र. सं. रायपुर के बाहरी डीन, ने सुंदरता से संक्षेपित किया। प्रोफेसर पूजा बेरिया, भा. प्र. सं. रायपुर के शासी मंडल की प्रमुख सदस्या, ने सभी भागीदारों, वक्ताओं, और संगठकों के अनमोल योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। अपने धन्यवाद में, मिस बेरिया ने सम्मेलन को परिभाषित करने वाली सहकारी भावना को हाइलाइट किया, जो संस्थान के शैक्षिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने और एक जीवंत विद्वान समुदाय को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। इस घटना की सफलता को सभी संबंधित लोगों के सामूहिक प्रयासों का श्रेय दिया गया, जिसने इसे भा. प्र. सं. रायपुर के लिए एक स्मरणीय और प्रभावी अवसर के रूप में चिह्नित किया।

भा. प्र. सं. रायपुर के बारे में:

2010 में स्थापित, भा. प्र. सं. रायपुर एक ऐसा केंद्र है जो गतिशील नेताओं को पोषित करने के लिए है, जो उन्हें व्यापार के अपने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए जरूरी ज्ञान, अनुभव, और अनमोल संपर्क प्रदान करता है। हमारे संस्थान को व्यापार डोमेन के विभिन्न क्षेत्रों में 50 से अधिक प्रतिष्ठित शिक्षाविदों से ताकत प्राप्त है और देश के 700 से अधिक उत्कृष्ट दिमागों से लाभ होता है। 2023 में, भा. प्र. सं. रायपुर ने माननीय मानव संसाधन और विकास मंत्रालय-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रैंकिंग फ्रेमवर्क्स (एमएचआरडी-एनआईआरएफ) बिजनेस रैंकिंग में 11वें स्थान, सीएसआर-जीएचआरडीसी बी-स्कूल रैंकिंग में पहले स्थान, और आउटलुक-आईकेएआरई सूची में 8वें स्थान हासिल किया। हम राष्ट्र में सबसे तेजी से बढ़ रहे भा. प्र. सं. में से एक हैं। छत्तीसगढ़ के जीवंत हृदय, नया रायपुर में स्थित हमारा

नया, आधुनिक कैंपस आधुनिक वास्तुकला को छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और विरासत के साथ मिलाकर एक अद्वितीय और प्रेरणादायक शिक्षा वातावरण बनाता है।